योजना : बोले मुख्यमंत्री जीतनराम मांझी-केन्द्र सरकार रहने दे छह लाख इंदिरा आवास का लक्ष्य

दैनिक जागरण दिनांक-05-07-14 Page-2

कराएं 20 लाख शौचालय का निर्माण

राज्य ब्यूरो, पटना : मुख्यमंत्री जीतनराम मांझी ने कहा कि एक साल में 20 लाख व्यक्तिगत शौचालय का निर्माण करा राज्य को देश में सर्वश्रेष्ठ स्थान दिलाया जाएगा। श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में शुक्रवार को ग्रामीण विकास विभाग द्वारा आयोजित 'स्वच्छ हरित बिहार' पर एकदिवसीय कार्यशाला एवं प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन करते हुए उन्होंने कहा कि बीमारियों का मुख्य कारण गंदगी है। खुले में शौच करने से कीटाणु शरीर के में प्रवेश कर रहे हैं और वे बीमारियां पैदा करती है। इसलिए अपने घरों में निश्चित रूप से शौचालय बनाएं। शौचालय निर्माण और स्वच्छता अभियान में पैसे की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी। महादलित परिवारों को अब शौचालय निर्माण को महादलित विकास मिशन से नौ सौ रुपये के स्थान पर एक हजार रुपये मिलेंगे।

उन्होंने कहा कि एक साल में हर पंचायत में दो सौ व्यक्तिगत शौचालय का निर्माण कराएंगे। बिहार में 8400 पंचायत हैं। हर पंचायत में दो सौ के निर्माण के लक्ष्य से एक साल में 17 लाख से अधिक व्यक्तिगत शौचालय बन जाएंगे, लेकिन हम 20 लाख का लक्ष्य लेकर चलें और पूरा करें। लाभुकों को शौचालय का निर्माण करने के लिए दस हजार रुपये की राशि दे रहे हैं। शौचालय निर्माण में प्रगति लाने के लिए चतुर्थ वित्त आयोग के माध्यम से पंचायत को ढाई लाख रुपये के रिवाल्विंग फंड दिया जाता है, उसी से कार्य को पूरा किया जाए।

महादलित परिवार को शौचालय को मिलेंगे एक हजार रुपये

श्रीकृष्ण मेमोरियल हाल में स्मारिका का विमोचन करते मुख्यमंत्री जागरण

मांझी ने कहा कि केन्द्र ने मनरेगा के तहत राज्य में इंदिरा आवास के लक्ष्य को छह लाख से घटाकर 2.80 लाख कर दिया गया। उन्होंने केन्द्र से लक्ष्य का यथावत रखने की मांग की। उन्होंने कहा कि प्रदेश में हरित क्षेत्र 33 फीसद भू- भाग में होना चाहिए जबकि प्रदेश में 10 फीसद ही है। हरित क्षेत्र बढ़ाएं, ताकि पर्यावरण शुद्ध हो सके। ग्रामीण विकास मंत्री नीतीश मिश्रा ने कहा कि शौचालय निर्माण में पैसे की कमी नहीं है। खुले में शौच की अपमानजनक स्थिति से राज्य को छुटकारा दिलाएं। लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण मंत्री महाचन्द्र प्रसाद सिंह ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की स्वच्छता प्राथमिकता थी। 2019 में राष्ट्रपिता की 150 वीं जयंती मनाई जाएगी। हम सब संकल्प लें कि 2019 तक खुले में शौच की प्रथा की पूर्णतः समाप्त कर देंगे। जागरण प्रकाशन लिमिटेड के सलाहकार व पहल - द इनिशिएटिव के अध्यक्ष एसएम शर्मा ने कहा कि इस क्षेत्र में जो अधिकारी अपना कार्य ईमानदारी से करते हैं, उनकी सफलता की कहानियों को भी अखबारों के माध्यम से जनता के बीच ले जाने की जरूरत है। उन्होंने एक शौचालय संस्थान की स्थापना करने की मांग की, जिसमें पहल भी मदद करेगा। ग्लोबल सेनिटेशन फंड के प्रमुख आनंद शेखर ने कहा कि आज के दिनों में हमारा कार्य बिहार के छह जिलों में है। आगे इसमें विस्तार की योजना है। ग्रामीण विकास सचिव एसएम राजू ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर अंशुली आर्य, कृषि विभाग के प्रधान सचिव अमृत लाल मीणा, आइसी कुमार और पटना के जिलाधिकारी एन सरवन कुमार आदि उपस्थित थे। मनरेगा के आयुक्त मिहिर कुमार सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

उत्कृष्ट सेनीटेशन को सम्मानित होंगे बीडीओ

पटना : प्रदेश के जिस प्रखंड में सैनीटेशन (साफ-सफाई) की व्यवस्था बेहतर होगी, उसके प्रखंड विकास अधिकारी को 'पहल स्वच्छता दूत' अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। पहल - द इनिशिएटिव के अध्यक्ष एसएम शर्मा की अनुमति से सीईओ आनंद माधव ने शुक्रवार को इसकी घोषणा की। माधव ने बताया कि सरकारी लक्ष्य के अनुरूप जो प्रखंड विकास अधिकारी अच्छा काम करेगा उसे पहल प्रमाणपत्र एवं नगद इनाम से सम्मानित करेगा।